(d) what further preventive steps are under consideration of Government in this regard?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (d) Government is aware of the designs of foreign agencies to infiltrate their operatives into our country by various methods. Action against such foreign nationals is taken under the relevant provisions of law. Further information is being collect from various agencies.

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा एल० पी० जी० कनैक्शनों का जारी किया जाना

*418 **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **पट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ;

(क) क्या यह सच है कि देश में सरकारी क्षेत्र में संचालित संस्थानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० के कनैक्शन उपलब्ध कराए जाते हैं;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1995 के अंत तक कौन-कौन से संस्थान इस कार्य में रत थे;

(ग) क्या इन संस्थानों में एल०पी० जी० कनैक्शन पाने के इच्छुक उपभोक्ताओं के नाम दर्ज हैं;

(घ) यदि हां, तो मार्च, 1995 के अंत तक किस-किस संस्थान में ऐसे कितने-कितने उपभोक्ताओं के नाम दर्ज थे;

(ङ) प्रत्येक संस्थान द्वारा किस-किस अवधि तक दर्ज उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० कनैक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं; और

(च) क्या सरकार ने शेष उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० कनैक्शन दिलाने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

पट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) जी, हां। देश में उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० कनैक्शन मै० इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, मै० हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, मै० भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड नामक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों के माध्यम से जारी किए जाते हैं। वर्तमान समय में सरकार की उदारीकरण नीति के अंतर्गत समानान्तर विपणन कर्त्ताओं को भी एल० पी० जी० का विपणन करने की अनुमति दी जाती हैं।

(ग) और (घ) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों से एल० पी० जी० कनैक्शन लेने की मंशा रखने वाले किसी व्यक्ति को आई०ओ०सी०, एच०पी०सी० और बी०पी०सी० नामक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों के किसी एक डिस्ट्रीब्यूटर के पास अपना नाम पंजीकृत करवाना होता है। 31.3.95 की स्थिति के अनुसार इन कम्पनियों के पास प्रतीक्षारत व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :

(आंकड़े लाख में)

आई० ओ० सी०	62.26
एच० पी० सी०	29.23
बी० पी० सी०	26.07

(ङ) प्रतीक्षारत व्यक्तियों को निपटाया जाना पूरे देश में बाजार से बाजार और डिस्ट्रीब्यूटर से डिस्ट्रीब्यूटर के अनुसार भिन्न होता हैं। राज्यवार कोई एक समान स्थिति नहीं हैं। देश की कुल नामांकन योजना, डिस्ट्रीब्यूटर के पास उपलब्ध स्टॉक की हकदारी और प्रतीक्षा सूची पर दर्ज व्यक्तियों की संख्या आदि के आधार पर डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से नए कनैक्शन जारी किए जाते हैं।

(च) नए स्रोतों को चालू करने, कुछ विद्यमान स्रोतों की क्षमता में वृद्धि करने और आयातों के माध्यम से देश में एल० पी० जी० की उपलब्धता में वृद्धि करने की योजनाएं बनाई गई हैं। नई आयात सुविधाओं को चालू करने और विद्यमान आयात सुविधाओं की क्षमता को बढ़ाने के लिए भी योजनाएं बनाई गई हैं। इन सबसे तेल उद्योग को अतिरिक्त एल० पी० जी० उपभोक्ताओं का नामांकन करने और चरणबद्ध पद्धति से प्रतीक्षा सूची को निपटाने में मदद मिलेगी।

Killings in Uttar Pradesh in the wake of *Uttarakhand movement*

*419. SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:
DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to answer to Unstarred Question 2313 given in the Rajya Sabha on the 21st December, 1994 and state:

(a) the number and names of persons killed at each of the places in Mussoorie, Khatima, Dehradun, Haldwani, Nainital, Karnprayag, Muzaffarnagar and any other place in U.P. in connection with the Uttarakhand and anti-reservation agitation since September, 1994;

(b) the number of cases of molestation and rape and other crimes against women during the above period; and

(c) the number of cases in respect of part (a) above which have been investigated and the number of cases in which investigations are continuing?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (c) A total of 20 persons were killed in connection with the Uttarakhand and anti-reservation agitation since September, 1994. In Mussoorie seven persons were killed viz. S/Shri Balbir Singh Negi, Madan Mohan Mangoin, Dhanpat Singh, Ram Singh Bangari, Smt. Hansa Devi Dhanai, Smt. Balmati Chauhan and Dy. SP, Shri Uma Kant Tripathi; 3 persons were killed in Khatima viz. S/Shri Bhagwan Singh Saroia, Pratap Singh and Salim; two persons were killed in 2 separate incidents at Dehradun viz. S/Shri Rajesh Rawat and Deepak Walia; one person. Shri Pratap Singh was killed in Nainital; 5 persons were killed in Muzaffarnagar viz. S/Shri Surya Prakash Sharma, Girish Kumar Bhadri, Ravinder Singh Rawat, Statender Singh Chauhan and Rajesh Lakhera; one person fire-brigade Driver Shri Jeet Bahadur Gurang was killed in Pauri Garhwal; 1 person Shri Rajesh Kumar was killed in Kotdwar. In addition 4 persons viz. S/Shri Dharmanand Bhatt, Gopi Chand, Paramjeet Singh and Rampal are reported missing after the Khatima incident. CBI has not investigated any case involving death in either Haldwani or Karanprayag.

Seventeen cases of molestation, 7 cases of rape, one case of wrongful restraint and one case of wrongful confinement committed against women have been registered. All of them pertain to the incident in Muzaffarnagar.

Eleven cases have been registered by the CBI. These cover all the 20 persons killed.

Conversion telephone exchanges in Tamil Nadu

*420. SHRI V. RAJAN CHELLAPPA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of old telephone exchanges in Tamil Nadu converted into electronic exchanges so far and the number of remaining old telephone exchanges, district-wise;

(b) whether Government propose to convert the remaining old telephone exchanges into electronic exchanges at the earliest; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) A statement is laid on the Table of the House